चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 25 जुलाई 2026, अंक –320.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

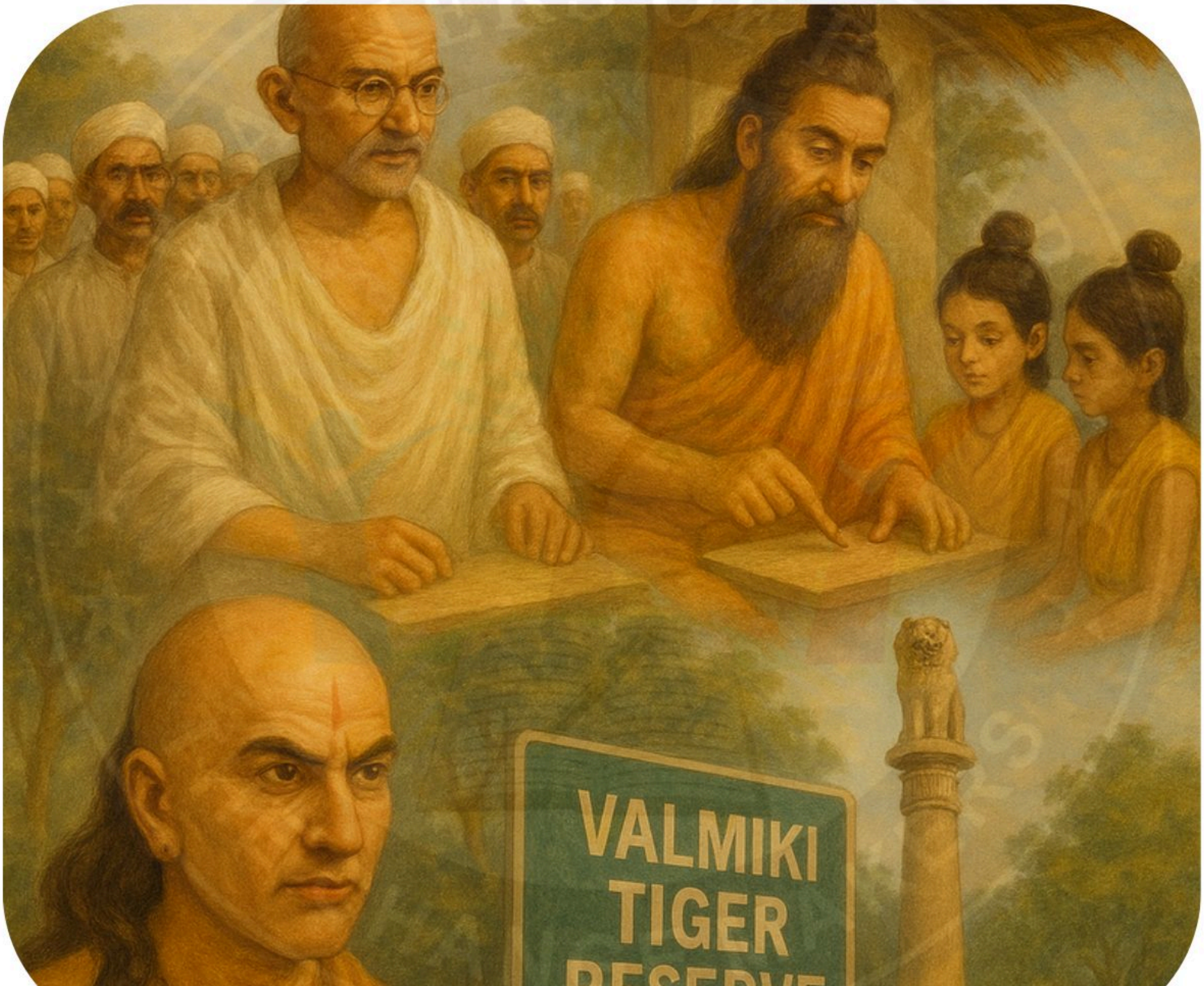

"अनुभव ही सर्वोत्तम शिक्षक है।"

— अरस्तू

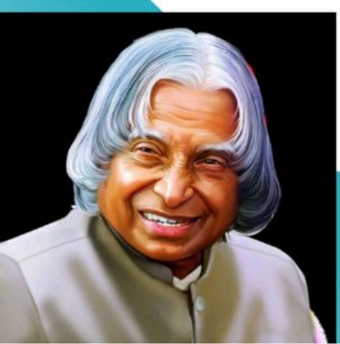

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. अर्जेंटीना की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्यूनस आयर्स
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन थीं?
उत्तर: सुचेता कृपलानी
प्रश्न 3. 'गरबा' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 4. 1/2 को दशमलव में लिखें।
उत्तर: 0.5
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'सोनपुर मेला' किस नदी के संगम के निकट लगता है?
उत्तर: गंगा-गंडक
प्रश्न 6. इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 7. गुरुत्वाकर्षण के सार्वत्रिक नियम का प्रतिपादन किसने किया?
उत्तर: आइज़ैक न्यूटन
प्रश्न 8. भारत में मतदान करने की न्यूनतम आयु कितनी है?
उत्तर: 18 वर्ष
प्रश्न 9. 'जल' का एक पर्यायवाची शब्द क्या है?
उत्तर: वारि
प्रश्न 10. सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा को क्या कहा जाता है?
उत्तर: सौर ऊर्जा

संकलन:-
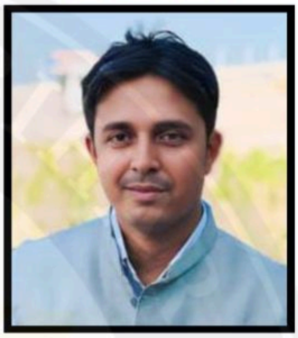
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Necklace – (नेकलेस) – हार
Earring – (ईयररिंग) – कान की बाली
Bracelet – (ब्रेसलेट) – कंगन / कड़ा
Ring – (रिंग) – अंगूठी
Bangle – (बैंगल) – चूड़ी
Chain – (चेन) – जंजीर / हार
Jewellery – (ज्वेलरी) – आभूषण

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – “वे ... करेंगे” (They will ...)

वे कल पढ़ेंगे। – They will study tomorrow.
वे तुम्हारी मदद करेंगे। – They will help you.
वे समय पर आएँगे। – They will come on time.
वे अपना काम पूरा करेंगे। – They will finish their work.
वे अंग्रेज़ी सीखेंगे। – They will learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 25 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व डूबने से बचाव दिवस (World Drowning Prevention Day)
व्याख्या: 25 जुलाई को प्रतिवर्ष "विश्व डूबने से बचाव दिवस" (World Drowning Prevention Day) मनाया जाता है। यह UN द्वारा मान्यता प्राप्त वैश्विक जागरूकता दिवस है। (WHO) इसे अप्रैल 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव A/RES/75/273 द्वारा घोषित किया गया था। (who) प्रतिवर्ष विश्व में लगभग 2,36,000 लोग डूबने से मरते हैं और 5-14 वर्ष के बच्चों में यह मृत्यु के शीर्ष 10 कारणों में से एक है। 90% से अधिक डूबने की मृत्युएँ निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में नदियों, झीलों, कुओं और घरेलू जल-भंडारण पात्रों में होती हैं। (Relx) 2026 थीम: "Your story can save a life!" उत्तर बिहार में बाढ़ के दौरान बच्चों का डूबना एक गंभीर समस्या है — यह दिवस विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम की दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: UN Official — un.org/en/observances/drowning-prevention-day; (who) awarenessdays.com World Drowning Prevention Day 2026;

प्र.2. 23 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 (ग्लासगो) के पहले दिन भारत ने पहला स्वर्ण पदक किस खेल में जीता और उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक कौन थे? (समसामयिक घटना)
उत्तर: पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा; P.R. श्रीजेश और P.V. सिंधु
व्याख्या: 23 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 के पहले दिन भारत ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक जीता। भारतीय तिकड़ी रुद्रांक्ष पाटिल, दिव्यांश पंवार और अर्जुन बाबुता ने 1,890.3 अंकों का नया CWG रिकॉर्ड स्थापित किया। (GKToday) 23वें राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह ग्लासगो के रॉयल कॉन्सर्ट हॉल में 23 जुलाई 2026 को आयोजित हुआ। (GKToday) उद्घाटन समारोह में P.R. श्रीजेश (हॉकी, रियो 2016 ब्रॉन्ज और पेरिस 2024 ब्रॉन्ज विजेता) और P.V. सिंधु (बैडमिंटन, दो बार ओलंपिक पदक विजेता) ध्वजवाहक थे। भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहेन ने उद्घाटन समारोह से पूर्व ही भारत का पहला पदक सुरक्षित कर लिया था। (ESPN)
संदर्भ: freejobalert.com Daily Current Affairs 23 July 2026;

प्र.3. "गोल्डन थ्रेशहोल्ड" (The Golden Threshold) किस भारतीय कवयित्री की प्रसिद्ध काव्य-रचना है जिन्हें "भारत कोकिला" कहा जाता है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: सरोजिनी नायडू
व्याख्या: "द गोल्डन थ्रेशहोल्ड" (The Golden Threshold, 1905) सरोजिनी नायडू (1879-1949) का प्रथम प्रकाशित काव्य-संग्रह है। उन्हें "भारत कोकिला" (Nightingale of India) कहा जाता था। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष (1925) थीं। उन्होंने महात्मा गाँधी के नमक सत्याग्रह (1930) और असहयोग आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के बाद वे उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला राज्यपाल बनीं। उनका जन्म 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में हुआ था और 2 मार्च 1949 को लखनऊ में निधन हुआ। उनकी अन्य प्रमुख काव्य कृतियों में "The Bird of Time" (1912) और "The Broken Wing" (1917) सम्मिलित हैं।
संदर्भ: सरोजिनी नायडू — "The Golden Threshold", 1905; NCERT History Class 10, Ch 2

प्र.4. "प्राकृतिक संसाधनों के प्रकार" के अंतर्गत "नवीकरणीय" (Renewable) और "अनवीकरणीय" (Non-renewable) संसाधनों में क्या अंतर है — प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए। (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: नवीकरणीय — पुनः उत्पन्न होते हैं (सौर ऊर्जा, पवन); अनवीकरणीय — सीमित भंडार (कोयला, पेट्रोलियम)
व्याख्या: "नवीकरणीय संसाधन" (Renewable Resources) वे हैं जो प्रकृति में स्वयं पुनः उत्पन्न हो सकते हैं या जिनका उपयोग करने पर वे समाप्त नहीं होते। उदाहरण: सौर ऊर्जा (Sunlight), पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, वन (यदि प्रबंधन सही हो)। "अनवीकरणीय संसाधन" (Non-Renewable Resources) वे हैं जो लाखों वर्षों में बने हैं और एक बार उपयोग करने पर पुनः नहीं बनते। उदाहरण: कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, खनिज। जीवाश्म ईंधन (Fossil Fuels) — कोयला, तेल और गैस — अनवीकरणीय हैं और इनका दहन CO_2 उत्सर्जित करता है जो जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारण है। भारत 2070 तक "Net Zero" का लक्ष्य रखता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 1 Resources and Development, p. 2–4;

प्र.5. "1857 के विद्रोह" को किन विभिन्न नामों से जाना जाता है और NCERT के अनुसार इसके किन तात्कालिक और दीर्घकालिक कारणों का उल्लेख है? (इतिहास)
उत्तर: सिपाही विद्रोह / प्रथम स्वतंत्रता संग्राम; चर्बी वाले कारतूस (तात्कालिक); सामाजिक-आर्थिक शोषण (दीर्घकालिक)
व्याख्या: 1857 के विद्रोह को अलग-अलग इतिहासकारों ने भिन्न नाम दिए: ब्रिटिश इसे "सिपाही विद्रोह" (Sepoy Mutiny) कहते थे; वीर सावरकर ने "प्रथम स्वतंत्रता संग्राम" कहा; कुछ इसे "किसान विद्रोह" भी कहते हैं। तात्कालिक कारण: एनफील्ड राइफल के कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी होने की अफवाह — जो हिंदू और मुस्लिम दोनों के लिए आपत्तिजनक थी। दीर्घकालिक कारण: भारी भू-राजस्व, किसानों का शोषण, पुराने शासकों का अपमान (सहायक संधि), ईसाई धर्म-प्रचार, पेंशन समाप्ति। यह विद्रोह मेरठ से 10 मई 1857 को प्रारंभ हुआ और दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, झाँसी और बिहार के आरा तक फैला।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 5 When People Rebel 1857 and After, p. 60–70.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत में नदियों का प्रबंधन" के संदर्भ में "अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद" के लिए संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत ट्रिब्यूनल गठित किया जाता है — कावेरी नदी किन राज्यों के बीच विवाद का विषय है? (भूगोल)

उत्तर: अनुच्छेद 262; कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी

व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 262 अंतर्राज्यीय नदी जल विवादों के निपटारे का प्रावधान करता है। इसके अंतर्गत "अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956" बना जिसके तहत नदी जल ट्रिब्यूनल गठित किए जाते हैं। "कावेरी नदी" (Cauvery/Kaveri) कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच दशकों पुराने जल विवाद का केंद्र है। केरल और पुडुचेरी भी इस विवाद के पक्षकार हैं। "कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल" का अंतिम फैसला 2007 में आया और सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 में तमिलनाडु के हक में न्यूनतम पानी की गारंटी दी। कावेरी नदी का उद्गम कर्नाटक के ब्रह्मगिरि पहाड़ी से होता है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 27–29;

प्र.7. भारत की संसद में "शून्यकाल" (Zero Hour) और "प्रश्नकाल" (Question Hour) में क्या अंतर है — और "तारांकित प्रश्न" (Starred Question) व "अतारांकित प्रश्न" (Unstarred Question) क्या होते हैं? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: प्रश्नकाल — पहला घंटा; शून्यकाल — 12 बजे के बाद; तारांकित — मौखिक उत्तर; अतारांकित — लिखित उत्तर

व्याख्या: प्रश्नकाल (Question Hour): संसद सत्र का पहला घंटा (11:00-12:00) प्रश्नकाल होता है जिसमें सदस्य मंत्रियों से प्रश्न पूछते हैं। शून्यकाल (Zero Hour): 12:00 बजे से प्रारंभ होता है जहाँ सदस्य बिना पूर्व सूचना के अत्यावश्यक मामले उठाते हैं — यह संविधान में नहीं बल्कि संसदीय परंपरा में है। तारांकित प्रश्न (Starred ★): जिन पर मौखिक उत्तर चाहिए और पूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं। अतारांकित प्रश्न (Unstarred): जिन पर लिखित उत्तर दिया जाता है, पूरक प्रश्न नहीं। इसके अलावा "अल्पसूचना प्रश्न" (Short Notice Question) — 10 दिन से कम सूचना पर अत्यावश्यक विषयों पर।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 5 Legislature, p. 90–

प्र.8. "मानव शरीर में रक्त के घटक" कौन से हैं — लाल रक्त कणिकाओं (RBC) का जीवनकाल और श्वेत रक्त कणिकाओं (WBC) का प्रमुख कार्य क्या है? (विज्ञान)

उत्तर: प्लाज्मा, RBC, WBC, प्लेटलेट्स; RBC जीवनकाल — 120 दिन; WBC — रोग प्रतिरोध

व्याख्या: मानव रक्त के चार प्रमुख घटक हैं: (1) प्लाज्मा (Plasma): रक्त का तरल भाग (55%) जो भोजन, हार्मोन, CO_2 और उत्सर्जी पदार्थ ढोता है; (2) लाल रक्त कणिकाएँ (RBC/Erythrocytes): "हीमोग्लोबिन" युक्त — ऑक्सीजन परिवहन करती हैं। इनका जीवनकाल लगभग 120 दिन होता है, इसके बाद यकृत और प्लीहा में नष्ट होती हैं। इनमें केंद्रक (Nucleus) नहीं होता; (3) श्वेत रक्त कणिकाएँ (WBC/Leukocytes): रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity) का आधार — जीवाणु और वायरस से लड़ती हैं; (4) प्लेटलेट्स (Thrombocytes): रक्त-स्कंदन (Clotting) में सहायक। RBC सबसे अधिक और WBC सबसे कम संख्या में होती हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 Life Processes, p. 103–106

प्र.9. "भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों" में "कुचिपुड़ि" और "भरतनाट्यम" में क्या प्रमुख अंतर है — और दोनों में से कौन सा पहले वर्गीकृत हुआ? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कुचिपुड़ि — नृत्य-नाट्य परंपरा (आंध्र); भरतनाट्यम — एकल/समूह (तमिलनाडु); भरतनाट्यम पहले मान्यता प्राप्त

व्याख्या: भरतनाट्यम (तमिलनाडु): देवदासी परंपरा से उत्पन्न, एकल प्रस्तुति, "अभिनय" (भावाभिव्यक्ति) प्रधान। रुक्मिणी देवी अरुंडेल ने आधुनिक रूप दिया। कुचिपुड़ि (आंध्र प्रदेश): नृत्य-नाट्य परंपरा से उत्पन्न, मूलतः पुरुष कलाकार महिला वेशभूषा में प्रस्तुत करते थे। सिद्धेंद्र योगी ने इसे "भामाकलापम" के रूप में संहिताबद्ध किया। "पीतल थाल पर नृत्य" कुचिपुड़ि की विशेषता है। दोनों में भगवान कृष्ण की लीलाएँ प्रमुख विषय हैं। भरतनाट्यम को 1950 के दशक में, जबकि कुचिपुड़ि को 1958 में संगीत नाटक अकादमी की मान्यता मिली।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts, p. 73–78;

प्र.10. बिहार में "26 जुलाई" को "कारगिल विजय दिवस" के रूप में किस ऐतिहासिक संदर्भ में विशेष रूप से मनाया जाता है — और बिहार रेजिमेंट ने 1999 के कारगिल युद्ध में क्या भूमिका निभाई? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: 1999 में पाकिस्तान पर विजय; बिहार रेजिमेंट ने टाइगर हिल सहित कई चोटियाँ पुनः प्राप्त कीं

व्याख्या: 26 जुलाई 1999 को भारत ने "ऑपरेशन विजय" के सफल समापन की घोषणा की जब पाकिस्तानी घुसपैठियों को जम्मू-कश्मीर के कारगिल सेक्टर से खदेड़ दिया गया। इसे "कारगिल विजय दिवस" के रूप में मनाया जाता है। "बिहार रेजिमेंट" ने इस युद्ध में वीरतापूर्ण भूमिका निभाई। बिहार रेजिमेंट की 12वीं बटालियन ने कारगिल के कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में दुश्मन को पीछे धकेला। "टाइगर हिल" (5,307 मीटर) की पुनः प्राप्ति इस युद्ध की निर्णायक घटना थी। बिहार के अनेक शहीद जवानों का नाम "शौर्य स्मारकों" पर अंकित है। यह दिवस बिहार में राज्य सरकार और सेना द्वारा संयुक्त रूप से मनाया जाता है।

संदर्भ: Bihar Regiment Centre Danapur Official Records; Indian Army Kargil War Records 1999

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत "विश्व डूबने से बचाव दिवस" (25 जुलाई) के संदर्भ में – बाढ़ के दौरान डूबने से बचाव के लिए बच्चों को BSDMA ने क्या पाँच प्रमुख जल-सुरक्षा नियम सिखाए हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: अकेले न तैरें, जल में न कूदें, लाइफ जैकेट पहनें, तैरना सीखें, डूबते को बाहर से बचाएँ

व्याख्या: BSDMA और WHO के दिशानिर्देशों पर आधारित "जल सुरक्षा के पाँच स्वर्णिम नियम" जो विद्यालयों में सिखाए जाते हैं: (1) अकेले न तैरें – हमेशा किसी साथी के साथ और वयस्क की देखरेख में जाएँ; (2) बाढ़ जल में न कूदें – गहराई, बहाव और अदृश्य खतरे अज्ञात होते हैं; (3) लाइफ जैकेट पहनें – नाव यात्रा में अनिवार्य; (4) तैरना और "फ्लोट" करना सीखें – WHO की सलाह है कि प्रत्येक बच्चे को "Survival Swimming" (पीठ के बल तैरकर सतह पर रहना) सिखाएँ; (5) डूबते व्यक्ति को बाहर से बचाएँ – स्वयं न कूदें, रस्सी/डंडा/कपड़ा फेंकें। उत्तर बिहार में बाढ़ के दौरान बच्चों का डूबना दुखद मृत्यु का एक प्रमुख कारण है – यह प्रशिक्षण जीवन-रक्षक है।

संदर्भ: BSDMA Water Safety Module, Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org; WHO Drowning Prevention – Preventing Drowning: An Implementation Guide, 2017;

प्र.12. यदि किसी आयत की लंबाई उसकी चौड़ाई से दोगुनी है और उसका परिमाप 60 सेमी है, तो आयत का क्षेत्रफल कितना होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 200 वर्ग सेमी

व्याख्या: माना चौड़ाई = x सेमी, तो लंबाई = $2x$ सेमी। परिमाप = 2(लंबाई + चौड़ाई) = $2(2x + x) = 2(3x) = 6x$। शर्त: $6x = 60 \rightarrow x = 10$। अतः चौड़ाई = 10 सेमी और लंबाई = 20 सेमी। क्षेत्रफल = लंबाई × चौड़ाई = $20 \times 10 = 200$ वर्ग सेमी। सत्यापन: परिमाप = $2(20+10) = 2 \times 30 = 60$ ✓। यह प्रश्न "आयत का परिमाप और क्षेत्रफल" (Rectangle – Perimeter and Area) पर आधारित है जो BPSC, SSC, Railway एवं Bank PO परीक्षाओं में मानक प्रश्न प्रकार है। सूत्र: परिमाप = $2(l+b)$; क्षेत्रफल = $l \times b$।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 10 Mensuration, p. 213–218

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

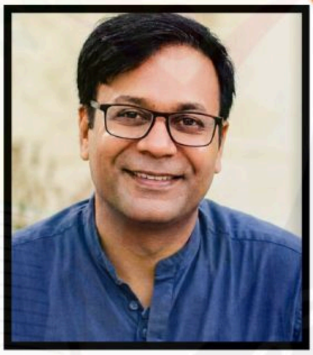

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Venerate (वेनरेट) = Revere (रिवियर) = श्रद्धा / सम्मान करना
Antonym – Despise (डिस्पाइज़) = तिरस्कार करना

Wane (वेन) = Decline (डिक्लाइन) = घट जाना / कम होना
Antonym – Wax (वैक्स) = बढ़ना / वृद्धि होना

Adept (अडेप्ट) = Skilled (स्किल्ड) = निपुण / कुशल
Antonym – Incompetent (इनकॉम्पिटेन्ट) = अयोग्य / अकुशल

Baffle (बैफल) = Confuse (कन्फ्यूज़) = उलझन में डालना / भ्रमित करना
Antonym – Clarify (क्लैरिफ़ाई) = स्पष्ट करना

Censure (सेन्शर) = Condemn (कन्डेम)** = निंदा करना / भर्त्सना करना
Antonym – Approve (अप्रूव) = अनुमोदन करना / स्वीकृति देना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Launches 'National Semiconductor Mission Phase-II' to Expand Indigenous Chip Fabrication and Assembly Units.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने स्वदेशी चिप फैब्रिकेशन और असेंबली इकाइयों के विस्तार के लिए 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन चरण-II' का शुभारंभ किया।
भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण हब बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के दूसरे चरण को अधिसूचित किया है। इस नीति के तहत उन्नत (Advanced) एआई चिप्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोटिव सेमीकंडक्टर्स के स्थानीय उत्पादन के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान की जाएगी।

English Headline: NITI Aayog Unveils 'National Clean Energy Transition Index 2026', Highlighting Significant Growth in Grid-Scale Renewable Storage.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण सूचकांक 2026' का अनावरण किया, जिसमें ग्रिड-स्तरीय नवीकरणीय भंडारण में महत्वपूर्ण वृद्धि को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में अक्षय ऊर्जा क्षमता और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) को एकीकृत करने के मामले में गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह सूचकांक राज्यों के 2030 तक के 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति का मूल्यांकन करता है।

English Headline: ISRO Conducts Successful Flight Acceptance Test of Advanced Cryogenic Engine for Upcoming Heavy-Payload Missions.
हिन्दी अनुवाद: इसरो (ISRO) ने आगामी भारी-पेलोड मिशनों के लिए उन्नत क्रायोजेनिक इंजन का सफल उड़ान स्वीकृति परीक्षण आयोजित किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में अपने उच्च-थ्रस्ट क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया। यह परीक्षण भारत के वाणिज्यिक प्रक्षेपण वाहनों और गगनयान एवं चंद्र अभियानों की भार वहन क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Passes Resolution Establishing Standardized Framework for Sustainable Deep-Sea Exploration and Mining.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सतत गहरे समुद्र अन्वेषण और खनन के लिए मानकीकृत ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र (High Seas) में समुद्री जैव विविधता की रक्षा करते हुए दुर्लभ मृदा खनिजों के टिकाऊ निष्कर्षण के लिए एक वैश्विक नियामक रूपरेखा को मंजूरी दी।

English Headline: International Monetary Fund (IMF) Releases World Economic Outlook Update, Projecting Resilient Growth for South Asian Economies.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने विश्व आर्थिक आउटलुक अपडेट जारी किया, जिसमें दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए लचीली वृद्धि का अनुमान लगाया गया।
आईएमएफ (IMF) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में मजबूत घरेलू मांग, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और बुनियादी ढांचागत निवेश के कारण दक्षिण एशियाई क्षेत्र में निरंतर आर्थिक वृद्धि दर्ज किए जाने की बात कही है।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Epidemic Early-Warning Grid' to Track Vector-Borne Climate Health Threats.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु-प्रेरित कीट-जनित स्वास्थ्य खतरों की निगरानी के लिए 'वैश्विक महामारी पूर्व-चेतावनी ग्रिड' की शुरुआत की।
वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण डेंगू, मलेरिया और जीका जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ ने एक एकीकृत डिजिटल निगरानी मंच लॉन्च किया है, जो रीयल-टाइम डेटा विश्लेषण के आधार पर सदस्य देशों को समय से पहले चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Micro-Irrigation Promotion Scheme 2.0' to Boost Water Efficiency in Agriculture.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने कृषि में जल उपयोग दक्षता को बढ़ावा देने के लिए 'मुख्यमंत्री सूक्ष्म-सिंचाई प्रोत्साहन योजना 2.0' को मंजूरी दी।
राज्य में जल संरक्षण और फसलों की पैदावार बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने नई सब्सिडी योजना को स्वीकृति दी है। इसके तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों को अपनाने वाले किसानों को 80% तक की वित्तीय सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

English Headline: Bihar Department of Science and Technology Launches 'Digital Bihar Student Portal' to Facilitate Skill Scholarships and Incubation.
हिन्दी अनुवाद: बिहार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने कौशल छात्रवृत्ति और इनक्यूबेशन की सुविधा के लिए 'डिजिटल बिहार स्टूडेंट पोर्टल' लॉन्च किया।
तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े छात्रों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार ने यह नया मंच शुरू किया है। इसके माध्यम से मेधावी छात्रों को सीधे प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित की जाएगी और राज्य के विभिन्न इनक्यूबेशन सेंटरों में अपने स्टार्ट-अप विचारों को पंजीकृत करने की सुविधा मिलेगी।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Squad Secures Top Spot in Recurve Events at the Asia Cup Stage 4 Tournament with Multiple Medals.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने कई पदकों के साथ एशिया कप स्टेज 4 टूर्नामेंट में रिकर्व स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में सटीक निशाना लगाते हुए स्वर्ण और रजत पदक जीतकर अंक तालिका में बढ़त बनाई।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Unveils Upgraded Player Workload Management Guidelines for Upcoming Global Circuit Events.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने आगामी वैश्विक सर्किट स्पर्धाओं के लिए उन्नत खिलाड़ी कार्यभार प्रबंधन दिशानिर्देश जारी किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ ने खिलाड़ियों की सुरक्षा और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाए रखने के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख टूर्नामेंटों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत फिजियोथेरेपी सुविधाओं को सुनिश्चित करना शामिल है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक बाल एकांकी

"वज्रपात से बचाव"

(सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र: प्रधानाध्यापक, गीता मैडम, राजू, सुनैना, रोहन तथा अन्य विद्यार्थी

(विद्यालय का खेल मैदान। बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं। अचानक आसमान में काले बादल छा जाते हैं। तेज़ गर्जना होती है और बिजली चमकती है। हल्की बारिश शुरू हो जाती है।)

राजू: जल्दी चलो! उस बड़े पेड़ के नीचे खड़े हो जाते हैं, वहाँ बारिश नहीं लगेगी।

(सभी बच्चे पेड़ के नीचे पहुँच जाते हैं। तभी गीता मैडम वहाँ आती हैं।)

गीता मैडम: बच्चों, तुरंत पेड़ के नीचे से हटो। वज्रपात के समय पेड़ के नीचे खड़ा होना बहुत खतरनाक हो सकता है।

(बच्चे घबराकर बाहर आते हैं। तभी प्रधानाध्यापक भी पहुँच जाते हैं।)

प्रधानाध्यापक: सभी बच्चे बिना भाग-दौड़ किए मेरे साथ कक्षा में चलें। यही सबसे सुरक्षित स्थान है।

(सभी बच्चे कक्षा में पहुँच जाते हैं।)

सुनैना: सर, हमें तो लगता था कि पेड़ के नीचे खड़े होने से सुरक्षा मिलती है।

प्रधानाध्यापक: यही सबसे बड़ी गलतफहमी है। आकाशीय बिजली अक्सर ऊँची वस्तुओं, जैसे पेड़, बिजली के खंभे और टावर की ओर आकर्षित होती है। इसलिए वज्रपात के समय इनके नीचे कभी नहीं खड़ा होना चाहिए।

रोहन: सर, अगर हम खुले मैदान में हों तो क्या करें?

प्रधानाध्यापक: यदि पास में पक्का भवन हो तो तुरंत वहाँ चले जाएँ। तालाब, खेत, पेड़ और बिजली के पोल आदि से दूर रहें।

राजू: अब समझ में आ गया, सर। बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे जाना समझदारी नहीं, बल्कि खतरा है।

प्रधानाध्यापक: बिल्कुल। सही जानकारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। याद रखो—साहसी वही है जो खतरे को पहचानकर सही निर्णय ले।

सभी विद्यार्थी (एक साथ): हम वज्रपात के समय सावधानी बरतेंगे और अपने परिवार तथा पड़ोसियों को भी इसके बारे में जागरूक करेंगे।

(सभी मिलकर नारा लगाते हैं)

"सुरक्षित रहें, सतर्क रहें—वज्रपात से स्वयं बचें और दूसरों को भी बचाएँ!"

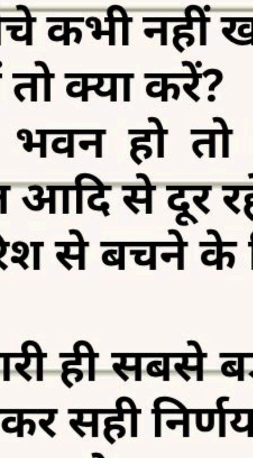

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: शिक्षक नेटवर्क और पीयर लर्निंग — अकेले चलने से बेहतर, साथ सीखना

शिक्षक साथियों, अक्सर जब कक्षा का दरवाजा बंद होता है, तो एक शिक्षक अपनी चारदीवारी के भीतर पूरी तरह अकेला होता है। जब हमें किसी नई अवधारणा को पढ़ाने में अड़चन आती है या कोई बच्चा बार-बार पिछड़ने लगता है, तो हमें लगता है कि यह समस्या केवल हमारी ही कक्षा में है। लेकिन सच्चाई यह है कि वही चुनौती हमारे पड़ोसी स्कूल या संकुल (Cluster) के किसी अन्य शिक्षक के सामने भी आई होगी और हो सकता है कि उन्होंने उसका एक बेहद मज़ेदार और सरल समाधान खोज निकाला हो!

शिक्षक अधिगम समुदाय (Teacher Learning Communities - TLC) और पीयर लर्निंग (Peer Learning / सहपाठी शिक्षक शिक्षण) की अवधारणा इसी बात पर टिकी है कि "शिक्षक के लिए सबसे बड़ा प्रशिक्षण स्रोत एक दूसरा शिक्षक ही होता है।" राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास (CPD) के लिए ऐसे साझा मंचों, संकुल स्तरीय बैठकों (CRC Meetings) और डिजिटल शिक्षक नेटवर्क की पुरज़ोर वकालत करती है। जब शिक्षक आपस में अपनी सफलताएँ, नाकामी और नवाचार साझा करते हैं, तो सीखने का एक समृद्ध माहौल बनता है।

उदाहरण और व्यावहारिक स्वरूप:

आइए देखें कि कैसे पीयर लर्निंग और शिक्षक नेटवर्क हमारी दैनिक कार्यशैली को आसान और प्रभावकारी बनाते हैं:

- **1. संकुल स्तरीय बैठकों (CRC Meetings) का सही उपयोग:पुराना ढर्रा: बैठकों को केवल विभागीय पत्राचार, आंकड़े जमा करने और प्रशासनिक औपचारिकताओं तक सीमित रखना।**
- **नया दृष्टिकोण (TLC): बैठक के अंतिम 45 मिनट केवल 'शैक्षणिक अनुभव साझाकरण' के लिए तय करना। उदाहरण के लिए, यदि प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक ने 'कबाड़ से जुगाड़' द्वारा गणित की भाग प्रक्रिया सिखाने का नया टीएलएम बनाया है, तो वे सभी संकुल शिक्षकों के सामने उसका प्रदर्शन करते हैं। बाकी शिक्षक उस विचार को अपनी-अपनी कक्षाओं में लागू करते हैं।**

- **2. डिजिटल नेटवर्क और टीएलएम शेयरिंग: आज व्हाट्सएप ग्रुप या शैक्षणिक मंचों के माध्यम से हम जिला या राज्य स्तर के शिक्षकों से जुड़े हैं। यदि कक्षा 3 में 'पर्यावरण अध्ययन' का कोई कठिन पाठ पढ़ाना है, तो शिक्षक अपने नेटवर्क पर मैसेज डालकर पूछते हैं– "साथियों, क्या किसी के पास इस पाठ को आसान बनाने के लिए कोई मज़ेदार कहानी या टीएलएम का विचार है?" कुछ ही मिनटों में अलग-अलग विद्यालयों से बेहतरीन विचार, ऑडियो-वीडियो और कार्यपत्रक (Worksheets) उपलब्ध हो जाते हैं।**

शिक्षक साथियों, एक सफल शिक्षक अधिगम समुदाय (TLC) के निर्माण के लिए हमें तीन मूल सिद्धांतों को अपनाना होगा:

1. **झिझक मिटाना (Openness): अपनी शिक्षण संबंधी कठिनाइयों को स्वीकार करने में संकोच न करें। अपनी चुनौती को दूसरे साथी के सामने रखना कमज़ोरी नहीं, बल्कि सीखने की उत्सुकता है।**
2. **सराहना की संस्कृति: जब भी कोई साथी शिक्षक अपनी कक्षा में कोई नया प्रयोग या नवाचार करे, तो उसकी दिल खोलकर तारीफ करें। आपकी एक छोटी सी सराहना उनके हौसले को कई गुना बढ़ा देती है।**
3. **कक्षा अवलोकन (Peer Observation): समय मिलने पर अपने ही स्कूल के किसी साथी शिक्षक की कक्षा में पीछे बैठकर देखें कि वे बच्चों से कैसे जुड़ते हैं। एक-दूसरे की कक्षा को देखकर जो अनुभव मिलता है, वह किसी भी औपचारिक प्रशिक्षण से कहीं अधिक व्यावहारिक होता है।**

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि कोई भी शिक्षक सर्वज्ञ नहीं होता, लेकिन जब बहुत सारे शिक्षक अपनी-अपनी क्षमताओं को जोड़ लेते हैं, तो कोई भी समस्या कठिन नहीं रह जाती। एकाकी शिक्षक रहने के बजाय एक 'सीखने वाले समुदाय' का हिस्सा बनिए। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपने हाल ही में अपनी कक्षा की किसी सफलता या अड़चन को अपने साथी शिक्षकों के साथ साझा किया है?

.................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- • यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- • शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : जमुई, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

जमुई: छोटानागपुर का उत्तरी सीमांत, नागी-नकटी की पारिस्थितिकी और विशिष्ट पहाड़ी भूगोल

भौगोलिक, प्रशासनिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से जमुई केवल एक ज़िला नहीं, बल्कि बिहार के मैदानी भू-भाग और झारखंड के छोटानागपुर पठार के विस्तृत अरण्यों के बीच स्थित एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। वर्ष 1991 में मुंगेर से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला मुंगेर प्रमंडल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सीमांत हिस्सा है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में लक्खीसराय और मुंगेर, पूर्व में बांका, दक्षिण में झारखंड के गिरिडीह व देवघर तथा पश्चिम में नवादा और शेखपुरा ज़िलों को स्पर्श करती हैं। यह सीमांत अवस्थिति जमुई को उत्तर बिहार और झारखंड के कोयला-अभ्रक (Mica) खनिज गलियारों के बीच एक अपरिहार्य सामरिक सेतु बनाती है।

इस ज़िले का संपूर्ण धरातल किउल (Kiul), उल्हाई, बडुआ और नागी जैसी पथरीली और बरसाती नदियों के प्रवाह तंत्र से निर्मित हुआ है। इनमें 'किउल नदी' जमुई की मुख्य भौगोलिक पहचान है, जो झारखंड की पहाड़ियों से निकलकर ज़िले के बीचों-बीच बलखाती हुई उत्तर की ओर बहती है। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जमुई का अधिकांश भू-भाग नीस (Gneiss), शिस्ट और क्वाटर्ज़ाइट की प्राचीन चट्टानों से बना है। यहाँ की मिट्टी मुख्य रूप से 'लाल और लैटराइट मिट्टी' तथा नदियाँ द्वारा लाई गई 'रेतीली दोमट' का मिश्रण है, जो सूक्ष्म खनिजों (जैसे क्वार्ट्ज़, फ़ेल्डस्पार और सोने के भू-तापीय साक्ष्यों) की उपस्थिति दर्शाती है।

इस विशिष्ट भू-आकृति की सबसे बड़ी और अंतरराष्ट्रीय पहचान जिले में स्थित नागी डैम (Nagi Dam) और नकटी डैम (Nakti Dam) पक्षी अभ्यारण्य हैं। झाझा और सोनो प्रखंडों में स्थित ये जलाशय प्राकृतिक आर्द्रभूमि (Wetlands) का एक अद्भुत चमत्कार हैं, जिन्हें हाल ही में वैश्विक धरोहर के रूप में रामसर साइट (Ramsar Site) का दर्जा प्राप्त हुआ है। सर्दियों के मौसम में सेंट्रल एशियन फ्लाईवे से होकर यहाँ पहुँचने वाले हज़ारों दुर्लभ मध्य-एशियाई और साइबेरियन प्रवासी पक्षियों (जैसे बार-हेडेड गूज़) का यह पसंदीदा प्रवास स्थल है। पर्यावरण, भू-जल प्रबंधन और जैव-विविधता की दृष्टि से नागी-नकटी की यह पारिस्थितिकी उत्तर और दक्षिण बिहार का एक अनमोल प्राकृतिक आभूषण है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय शुष्क मानसूनी है। पठारी और वनीय घनत्व के कारण गर्मियों में यहाँ का तापमान काफी ऊँचा रहता है, जबकि सर्दियों में कड़ाके की ठंड पड़ती है। सोनो, चकाई और खैरा के घने जंगल (जो भीमबांध वन्यजीव अभ्यारण्य के विस्तार से जुड़े हैं) क्षेत्र को प्रचुर वन-संपदा प्रदान करते हैं। इस विषम लेकिन प्राकृतिक रूप से समृद्ध भूगोल के कारण यहाँ की कृषि आर्थिकी काफी हद तक मानसूनी वर्षा पर निर्भर है; जहाँ मैदानी भागों में धान और गेहूं की खेती होती है, वहीं पठारी ढालों पर मक्का, अरहर, कुर्थी और लघु वनोपज (महुआ, हर्रा, बहेड़ा) स्थानीय आबादी को आजीविका का मुख्य सहारा देते हैं।

किउल नदी के पथरीले कछारों, नागी-नकटी की लहरों पर मंडराते प्रवासी पक्षियों और छोटानागपुर के इस प्राकृतिक सीमांत का यह प्रामाणिक भौगोलिक विश्लेषण बिहार की जैव-विविधता और पठारी जल-प्रबंधन को समझने के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

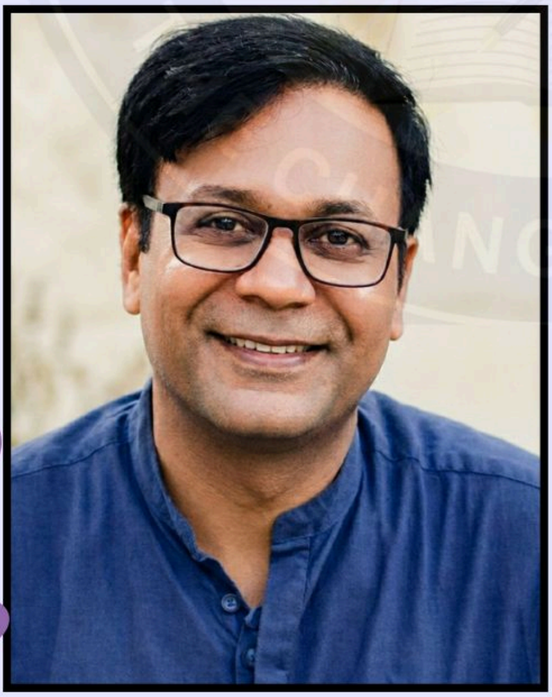

संपादकः-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org